संदर्भ : 406

कृपया प्रकाशनार्थ **6 दिसंबर 2008**

अभी भी पेट्रोल से हवाई इंधन सस्ता,
रसोई गैस सस्ता न होने से आम आदमी परेशान : राम नाईक

मुंबई, शनिचर: "आंतरराष्ट्रीय बाजार में कच्चा तैल प्रति बैरेल 147 से 50 डॉलर तक निचे आने के बाद पेट्रोल, डिजल तथा रसोई गैस के दाम सरकार ने कम करने चाहिए ऐसी लगातार मांग करने के बाद भी कांग्रेस सरकार ने सिर्फ पेट्रोल की भाव वृध्दि वापस ली है. डिजल पर प्रति लिटर रु. 3 बढाए थे. मगर अब डिजल का दाम सिर्फ 2 रु कम किया है, तो रसोई गैस के दाम न घटा कर सरकार ने आम आदमी को परेशान किया है." ऐसी प्रतिक्रिया पूर्व पेट्रोलियम मंत्री श्री. राम नाईक ने दी है.

"जून 2008 में कांग्रेस सरकार ने प्रति लिटर पेट्रोल के दाम रु. 5, डिजल के रु. 3 तो रसोई गैस के प्रति सिलंडर रु. 50 बढाए थे . उसके बाद आंतरराष्ट्रीय बाजार में दाम घटने के कारण एक सप्ताह के अंदर पेट्रोल, डिजल तथा रसोई गैस के दाम कम कर दिए जाएंगे ऐसी घोषणा पेट्रोलियम मंत्री श्री. मुरली देवड़ा ने 23 अक्टुबर को लोकसभा में की थी. किंतु वास्तव में यह सरकार सिर्फ अमीरों के हवाई इंधन के दाम कम करती रही. अब जब हवाई इंधन पेट्रोल से भी सस्ता होने के कारण सभी जगहों से कांग्रेस की आलोचना होने लगी तब जाकर सरकार ने दाम घटाए हैं. यह पूरी राहत नही है. भाव वृद्धी पूरी तरह से वापस लेने की जरुरत है. रसोई गैस तो अभी वैसे ही महंगा है," ऐसी आलोचना श्री नाईक ने की.

"डिजल के दाम बढने से यातायात का खर्चा बढता है. इसी कारण से जीवनावश्यक वस्तूओं के दाम बढते है. जब तक डिजल के दाम पूरी तरह पहले जैसे नही होते तब तक आम आदमी को राहत नही मिल सकती. रसोई गैस के दामों की वृध्दि बरकरार रख कर सरकार ने आम आदमी को परेशान किया है." ऐसा भी श्री. नाईक ने कहा. हवाई जहाज का इंधन प्रति लिटर रु. 40.69 है , तो पेट्रोल प्रति लिटर रु. 55.07 है. इससे यह साफ होता है कि पेट्रोल से हवाई इंधन काफी सस्ता है, इस ओर भी श्री. राम नाईक ने ध्यान खींचा. "कांग्रेस ने फिलहाल घटाए दाम उपरकी मरहम पट्टी है, अगर आम आदमी की चिंता है तो जून 2008 में बढाए दाम पूरी तरह से वापस लेने चाहिए." ऐसी मांग भी श्री. नाईक ने अंत में की.

(कार्यालय मंत्री)